अमर उजाला

नकली ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की फैक्टरी का खुलासा, एक गिरफतार

गाजियाबाद। औषधि विभाग ने लोनी के एक घर में चल रही नकली ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बनाने वाली फैक्टरी का खुलासा किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को पुलिस के साथ मिलकर फैक्टरी पर छापा मारा और इंजेक्शन और इसे तैयार करने वाली मशीनों को बरामद किया। इस मामले में अधिकारियों ने एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने फैक्टरी मालिक को गिरफ्तार कर लिया है।
विभाग को पिछले काफी दिनों से लोनी में ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की बिक्री की शिकायत मिल रही थी। इसके बाद विभाग ने जांच शुरू की तो गली नंबर-8 हनुमान मंदिर के सामने लक्ष्मी गार्डन में नकली इंजेक्शन तैयार करने वाली फैक्टरी का पता चला। पुलिस के साथ मिलकर अधिकारियों ने छापा मारा। मौके से फैक्टरी मालिक धर्मवीर सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिला औषधि निरीक्षक अनुरोध कुमार भारती ने बताया कि ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन तैयार करने के लिए धर्मवीर ने लाइसेंस भी नहीं लिया है। मौके से 150, 100 और 70 एमएल की इंजेक्शन की दो हजार वॉयल को बरामद किया है। इसके अलावा पैकिंग मैटेरियल, मशीन खाली बोतल, कैप और मापने वाला सिलिंडर को अधिकारियों ने सीज किया है। बरामद माल की कीमत लगभग 60 हजार रुपये है।

पहले कर चुका है इंजेक्शन की फैक्टरी में काम
अधिकारियों के मुताबिक धर्मवीर पूर्व में किसी ऑक्सीटोसिन फैक्टरी में काम कर चुका ह,ै लेकिन वह इंजेक्शन बनाने का विशेषज्ञ नहीं है। इंजेक्शन बनाने के लिए वह एक्सिटिक एसिड, फिनोल और ऑक्सीटोसिन का इस्तेमाल कर रहा था। इन्हें घोल कर बेहद खतरनाक इंजेक्शन तैयार किया जा रहा था।
लोनी के अलावा बागपत, दिल्ली में सप्लाई
धर्मवीर इंजेक्शन की वॉयल तैयार कर लोनी में सप्लाई देता था। लोनी के अलावा दिल्ली के आसपास के क्षेत्रों और बागपत में भी इंजेक्शन की सप्लाई थी। अधिकारियों का कहना है कि दुधारू पशुओं में दूध की मात्रा बढ़ाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में लोग इसकी खरीद कर रहे थे।

Source: https://www.amarujala.com/delhi-ncr/ghaziabad/ghaziabad-ghaziabad-news-gbd2336146139